प्रेषक,

कुलसचिव,
डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ।

सेवा में,

1 **कुलपति / अध्यक्ष,**
डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ।

2 **डॉ0 वन्दना सहगल,**
एसोसिएट प्रोफेसर, गर्वमेण्ट कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, लखनऊ यूनिवर्सिटी।
(विशेष आमंत्री सदस्य–विद्या परिषद)

3 **डॉ0 जे0 एन0 सिन्हा,**
एसोसिएट प्रोफेसर,
राजधानी कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी।
(विशेष आमंत्री सदस्य–विद्या परिषद)

4 **डॉ0 प्रशान्त श्रीवास्तव,**
प्रोफेसर,
लखनऊ यूनिवर्सिटी।
(विशेष आमंत्री सदस्य–विद्या परिषद)

5 **निदेशक,**
विकलांगजन विकास विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

6 **प्रो0 डॉ0 हिंमाशु शेखर झा,**
विभागाध्यक्ष,
समाजशास्त्र, सामाजिक विज्ञान एवं समाजकार्य।

7 **प्रो0 डॉ0 अश्वनी कुमार दुबे,**
विभागाध्यक्ष,
राजनीतिशास्त्र एवं लोक प्रशासन विभाग।

8 **प्रो0 डॉ0 देवेन्द्र नाथ सिंह,**
विभागाध्यक्ष,
हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग।

9 **प्रो0 डॉ0 विनोद कुमार सिंह,**
विभागाध्यक्ष,
अंग्रेजी एवं अन्य विदेशी भाषा विभाग।

10 **प्रो0 डॉ0 अवनीश चन्द्र मिश्रा,**
विभागाध्यक्ष,
इतिहास एवं विशेष शिक्षा (श्रवणबाधितार्थ, मानसिक मन्दितार्थ एवं दृष्टिबाधितार्थ विभाग)

11 **प्रो0 डॉ0 शेफाली यादव,**
विभागाध्यक्ष, विधि विभाग।

12 **प्रो0 डॉ0 नागेन्द्र यादव,**
विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र एवं प्रबन्ध शास्त्र विभाग

13 **प्रो0 डॉ0 प्रेम मोहन,**
विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग।

14 **डॉ0 अम्बिका प्रसाद तिवारी,**
प्रोफेसर, अर्थशास्त्र।

15 **डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह,**
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग।

16 **डॉ0 सौम्या शंकर,**
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, समाजशास्त्र।

17 **कुलसचिव,**
डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ।

पत्रांक– १९०७/पत्रासं0568ए/DSMNRU/विद्यापरिषद/2014–15 दिनांकः२५ नवम्बर, 2014

विषयः– डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ की विद्या परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 13.10.2014 के कार्यवृत्त का प्रेषण।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के विद्या परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 13.10.2014 के कार्यवृत्त की छायाप्रति प्रेषित करने का मुझे निदेश हुआ है।

संलग्नक – यथोपरि।

भवदीय,

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव।

114

डा0 शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

विद्या परिषद् – प्रथम बैठक

13 अक्टूबर, 2014

का

कार्यवृत्त

डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ

Dr. Shakuntala Misra National Rehabilitation University, Lucknow

मोहान रोड, लखनऊ दूरभाष नं0– 0522–2998380/1/2, 3294434 वेबसाइट: http://dsmru.up.nic.in

113

13 अक्टूबर, 2014 को कुलपति महोदय की अध्यक्षता में आयोजित विद्या परिषद् की प्रथम बैठक में सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति।

समय -- 03:00 बजे अपरान्ह

स्थान -- सभागार, पंचम तल, प्रशासनिक भवन, विश्वविद्यालय, लखनऊ।

क0 सं0	नाम	पदनाम	विभाग का नाम	मोबाइल संख्या	ई–मेल	हस्ताक्षर
1	Prof Nishith Rai	VC	DSMNRU			[signature]
2	J. N. Sinha	Associate Prof.	History	9810949638	jnsinha@rediffmail.com	
3	Vandana Sehgal	Associate Prof.	Architecture	9415305000	sehgal_vandana@hotmail.com	[signature]
4	PRASHANT SRIVASTAVA	PROFESSOR	AIH, LU.	9415576497	prashantdlitt@gmail.com	[signature]
5						
6	अवनीश चन्द्र मिश्र	HOD	इतिहास / वि. वि.	9455998846	awanishcmishra@yahoo.co.in	[signature]
7	डा0 प्रेम मोहन	HOD	Commerce	9919994168	premmohan.56@gmail.com	[signature]
8	हिमांशु शेखर झा	विभागाध्यक्ष	समाजशास्त्र व समाज कार्य	9412104525	hojha2010@rediffmail.com	[signature]
9	Dr Shephali Yadav	Head & Dean	LAW	9410449707	shefaliydv@rediffmail.com	[signature]
10	Dr Saumya Shankar	Assistant Prof.	SOCIOLOGY	9369316566	saumya_shankar@yahoo.com	[signature]
11	Prof A P Tiwari	Dean (Acad)	Economics	9450025501	dr.tiwariap@gmail.com	[signature]
12	Prof. Ashwani Dubey	Head, Dept. of Pol. Sci & Pub Adm	Department of Pol. Sci & Pub. Adm.	9415368481	akdubey.v16@Gmail.com	[signature]
13	Prof. NAGENDRA YADAV	Head, Dept of Management	Dept of Management	9839911251	nagendramadhu@rediffmail.com	[signature]
14	V.K. SINGH	Head, Department of English	English	9415695341	vkumarsingh35@gmail.com	[signature]
15	डॉ0 देवेन्द्र नाथ सिंह	प्रोफेसर हिन्दी	हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग	9918175000	pibnath@gmail.com	[signature]
16	डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह	एसो0 प्रोफेसर	हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग			[signature]
17	Akhilendra kumar	Registrar	DSMNRU			[signature]

112

बिन्दु संख्या: 1.1

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2014–15 के एकेडमिक कैलेण्डर पर अनुमोदन के सम्बन्ध में।

Academic Calendar 2014-15

Tentative Dates First Semester	Activity	Tentative Dates Second Semester
15th Jul 2014	Commencement of Semester and Registration in Under-Graduate Courses	12th Jan 2015
16th Jul 2014	Orientation Program : Under Graduate Courses	13th Jan 2015
18th Jul 2014	Commencement & Orientation : Post-Graduate Courses	13th Jan 2015
6th-11th Oct 2014	Mid-Sem Unit Test	16th-21st Mar 2015
16th-18th Oct 2014	Games, Sports & Athletic Meet	23rd-25th Mar 2015
31st Oct 2014	Announcement of Semester Exam Schedule	30th Mar 2015
7th & 8th Nov 2014	Cultural Event	....
13th-15th Nov 2014	Faculty Feedback	13th-15th Apr 2015
1st Dec 2014	Concluding Class	2nd May 2015
3rd Dec 2014	World Disability Day	....
6th-20th Dec 2014	Semester End Exam	6th -18th May 2015
22nd & 23rd Dec 2014	Practical Exam	19th & 20th May 2015
26th Dec 2014-10th Jan 2015	Break for Students Winter Summer	25th May-14th July 2015
10th Jan 2015	Semester Examination Result Declaration	30th Jun 2015

उपरोक्तानुसार एकेडमिक कलेण्डर पर कार्य परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया जा चुका है। विद्या परिषद के समक्ष सूचनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2014–15 के एकेडमिक कैलेण्डर का अवलोकन कर अनुमोदन प्रदान किया गया।

(डॉ. निशीथ राय)
कुलपति
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

बिन्दु संख्याः 1.2

विश्वविद्यालय में स्कूल बोर्ड/फैकल्टी बोर्ड एवं बोर्ड ऑफ स्टडीज के गठन के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय की परिनियमावली की धारा 7.01 से 7.03, 7.04, 7.05 एवं 7.06 में निहित शक्तियों एवं कृत्यों के अधीन **स्कूल बोर्ड** का गठन किया जाना है। तत्क्रम में प्रस्ताव किया जाता है कि फैकल्टी बोर्ड के गठन के सम्बन्ध में लखनऊ विश्वविद्यालय में प्राविधानित फैकल्टी बोर्ड के प्रतिरूप एवं संरचना को अंगीकार कर लिया जाना उचित होगा।

इसी प्रकार विश्वविद्यालय परिनियमावली की धारा 7.07 एवं 7.08 के प्राविधानों के अधीन विद्या परिषद द्वारा **बोर्ड ऑफ स्टडीज** का गठन कर इसके सदस्यों की पदावधि विद्या परिषद द्वारा अवधारित की जानी है। प्रस्ताव किया जाता है **बोर्ड ऑफ स्टडीज** के गठन के सम्बन्ध में लखनऊ विश्वविद्यालय में प्राविधानित बोर्ड ऑफ स्टडीज के प्रतिरूप एवं संरचना को अंगीकार कर लिया जाना उचित होगा।

विश्वविद्यालय में स्वीकृत तथा कियाशील संकायों/विभागों जिनमें यथासमय **फैकल्टी बोर्ड/बोर्ड ऑफ स्टडीज के** गठन का प्रस्ताव है, उनकी सूची परिशिष्ट–01 पर संलग्न है।

कृपया उपरोक्तानुसार प्रस्ताव पर विचारोपरान्त विद्या परिषद निर्णय लेना चाहें।

निर्णयः– **विश्वविद्यालय में स्कूल बोर्ड/फैकल्टी बोर्ड एवं बोर्ड ऑफ स्टडीज के गठन किये जाने के सम्बन्ध में लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में प्राविधानित स्कूल बोर्ड/फैकल्टी बोर्ड बोर्ड ऑफ स्टडीज के प्रतिरूप एवं संरचना को अंगीकृत किये जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया।**

(डॉ. निशीथ राय)

(अखिलेश कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

109

बिन्दु संख्याः 1.3

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों में ''पर्यावरणीय अध्ययन'' को आरम्भ किये जाने के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देश के क्रम में सम्यक् विचारोपरान्त विश्वविद्यालय के समस्त स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों में ''पर्यावरणीय अध्ययन'' (Environmental Studies) को एक नॉन क्रेडिट अनिवार्य विषय के रूप में सत्र 2014–15 के द्वितीय सेमेस्टर से आरम्भ किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के आदर्श पाठ्यक्रम को उक्त हेतु अंगीकृत किया जाना प्रस्तावित है। तत्क्रम में यथापेक्षित पाठ्यक्रम **परिशिष्ट–01** पर संलग्न है।

कृपया उपरोक्तानुसार प्रस्ताव से अवगत होते हुए विद्या परिषद अनुमोदन प्रदान करना चाहें।

निर्णयः–विद्या परिषद द्वारा यथा प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

103

बिन्दु संख्याः 1.4

विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर उलरीके जीशान, यूनिवर्सिटी आफ सेन्ट्रल लंकाशायर, इंग्लैण्ड एवं श्री रवीन्द्र जैन सुप्रसिद्ध संगीतकार के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय द्वारा समाज के मूक बधिर विद्यार्थियों के सामान्य जनजीवन से जुड़ी समस्याओं पर अध्ययन एवं अनुसंधान तथा उनके लिए सांकेतिक भाषा के अध्ययन से पठन–पाठन, सांकेतिक भाषा निर्वचक (इण्टरप्रेटर) जैसे पाठ्यक्रम संचालन के कार्य को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से '**इण्टरनेशनल इन्स्टीटयूट फॉर साइन लैग्वेंज एण्ड डैफ स्टडीज**' यूनिवर्सिटी ऑफ सैन्ट्रल लंकाशायर (यू0के0) के साथ विश्वविद्यालय का अनुबन्ध हुआ है, जिसमें प्रो0 उलरीके जीशान की महती योगदान रहा है, उनके द्वारा विश्वविद्यालय में कई बार भ्रमण भी किया जा चुका है तथा मूक बधिर विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय में सांकेतिक भाषा का केन्द्र स्थापित किये जाने हेतु अहम भूमिका निभाते हुए सहयोग प्रदान किया है। इनके अथक प्रयासों से ही विश्वविद्यालय को प्रदेश में ही नहीं अपितु पूरे भारत वर्ष में इस प्रकार के प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के प्रथम बार संचालन की आवश्यकता रही है। उक्त के आलोक्य में प्रो0 उलरीके जीशान, यूनिवर्सिटी ऑफ सैन्ट्रल लंकाशायर, इंग्लैण्ड द्वारा विकलांगता के विषय पर निरन्तर परामर्श, मार्गदर्शन एवं प्रदान की जा रही बहुमूल्य जानकारी एवं विकलांगता के क्षेत्र में कार्य–कलापों से विश्वविद्यालय को जोड़ने हेतु तथा इस विश्वविद्यालय में विशेष शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुभव एवं प्रशिक्षार्थियों को नये–नये शोध/अध्ययन से सम्बन्धित विस्तृत मार्गदर्शन एवं विदेशों में संचालित नई–नई योजनाओं से लाभान्वित किये जाने हेतु विश्वविद्यालय का विजिटिंग प्रोफेसर नामित किया गया जिस पर सामान्य परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

इसी प्रकार सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध श्री रवीन्द्र जैन, सुप्रसिद्ध संगीतकार, जो ज्योतिहीनता को वरदान स्वरूप मानते हुए संगीत की दुनिया में अविस्मरणीय ख्याति प्राप्त की है, चूंकि विश्वविद्यालय में संगीत विभाग का भी सृजन किया गया है, जिसमें सामान्य बच्चों के साथ दृष्टिबाधित बच्चों का रूझान संगीत विषय की ओर ज्यादा रहता है और उन्हें संगीत की उच्च शिक्षा प्रदान करने के फलस्वरूप वे भी समाज में संगीत के क्षेत्र में अपने निर्धारित आयामों को प्राप्त कर सकते हैं। अतः सम्यक् विचारोपरान्त सुप्रसिद्ध संगीतकार श्री रवीन्द्र जैन को विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में नामित किये जाने पर सामान्य परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

कृपया उपरोक्तानुसार विद्या परिषद के समक्ष सूचनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–विद्या परिषद द्वारा उपर्युक्त प्रस्ताव के अवलोकनोपरान्त अनुमोदन प्रदान किया गया।

निर्णय/पढ़ा

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

102

बिन्दु संख्याः 1.5

शैक्षिक संवर्ग के पदों पर नवनियुक्त शिक्षकवृन्द के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय में शैक्षिक संवर्ग के पदों की भर्ती के लिए विज्ञापन संख्या–17/भर्ती/वि0वि0/2013–14 को दैनिक समाचार पत्र में दिनांक 16.02.2014 एवं रोजगार समाचार पत्र के 01.03.2014 के साप्ताहिक अंक में प्रकाशित विज्ञापन के सापेक्ष प्राप्त आवेदन पत्रों के सापेक्ष भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ किये जाने हेतु कार्यपरिषद की तेरहवीं बैठक के बिन्दु सं0–13.9 में शैक्षिक संवर्ग के विज्ञापन सं0–17 एवं गैर शैक्षिक संवर्ग के विज्ञापन सं0–18 के सापेक्ष विज्ञापित समूह–क एवं समूह–ख के पदों की भर्ती/अग्रिम कार्यवाही के संचालन हेतु कुलपति तथा गैर शैक्षिक संवर्ग के विज्ञापित समूह–ग एवं समूह–घ के पदों की भर्ती/अग्रिम कार्यवाही के संचालन हेतु कुलसचिव को अधिकृत किया गया तथा नियुक्ति सम्बन्धी कार्यवाही पूर्ण करने के पश्चात आगामी कार्य परिषद की बैठक में प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया, कार्यपरिषद द्वारा निर्णय लिया गया।

उक्त के क्रम में विश्वविद्यालय में क्रियाशील 12 विभागों में रिक्त प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर एवं असिस्टेण्ट प्रोफेसर के पद पर भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ की गई तथा विभिन्न तिथियों में साक्षात्कार आयोजित करने के उपरान्त विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों के 04 प्रोफेसर, 12 एसोसिएट प्रोफेसर एवं 13 असिस्टेण्ट प्रोफेसर के पद पर साक्षात्कार/चयन समिति द्वारा किये गये संस्तुति के आधार पर नियुक्त किये गये शिक्षकवृन्द **परिशिष्ट– 01** पर अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

कृपया विद्या परिषद उपरोक्त नवनियुक्त शिक्षकवृन्द से अवलोकित होना चाहें।

निर्णयः–उपर्युक्तानुसार शैक्षिक संवर्ग के पदों पर नवनियुक्त शिक्षकवृन्द के सम्बन्ध में अवगत होते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

बिन्दु संख्याः 1.6

विश्वविद्यालय में क्रियाशील एवं प्रस्तावित विभागों के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय में सृजित 07 संकाय के अन्तर्गत 29 विभागों में से वर्तमान में 04 संकाय के अन्तर्गत 12 विभाग क्रियाशील है, जिनका विवरण निम्नानुसार है–

क्र.सं.	संकाय का नाम	क्र.सं.	विभाग का नाम	स्वीकृत पद				भरे पद			
				प्रोफेसर	एसो० प्रोफेसर	असि० प्रोफेसर	विशेष शिक्षक	प्रोफेसर	एसो० प्रोफेसर	असि० प्रोफेसर	विशेष शिक्षक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)
1	कला	1	हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग	1	2	4		1	2	4	
		2	अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषा विभाग	1	2	3		1	2	2	
		3	इतिहास विभाग	1	2	4		1	2	4	
		4	राजनीति एवं लोक प्रशासन	1	2	3		1	–	3	
		5	समाजशास्त्र, सामाजिक विज्ञान एवं समाज कार्य विभाग	2	4	6		1	2	4	
		6	अर्थशास्त्र विभाग	1	2	3		1	2	2	
2	विशेष शिक्षा	7	दृष्टिबाधित विभाग	1	2	3	2	–	2	3	2
		8	श्रवणबाधितार्थ विभाग	1	2	3	2	–	2	2	1
		9	मानसिक मंदितार्थ विभाग	1	2	3	2	–	1	3	1
3	वाणिज्य	10	वाणिज्य विभाग	1	2	3		1	2	3	
		11	प्रबन्धशास्त्र विभाग	1	2	3		1	1	2	
4	विधि	12	विधि	1	2	4		1		4	
			कुल योग	**13**	**26**	**42**	**06**	**09**	**18**	**36**	**04**

विश्वविद्यालय उपरोक्तालिका के अनुसार बी०ए०, एम०ए०, एम०एस०डब्लू०, बी०कॉम०, एम०कॉम०, एम०बी०ए०, बी०काम०एल०एल०बी०(आनर्स) एवं डी०एड०, बी०एड० एवं एम०एड० विशेष शिक्षा के डिप्लोमा, स्नातक एवं परास्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम संचालित है, जिसमें 50 प्रतिशत सामान्य विद्यार्थियों को एवं 50 प्रतिशत निःशक्त विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान करते हुए पठन–पाठन का शिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में आगामी सत्र 2015–16 से कम्प्यूटर तथा इन्फार्मेशन टेक्नॉलाजी संकाय के अन्तर्गत **कम्प्यूटर विज्ञान विभाग** एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय के अर्न्तगत **गणित एवं सांख्यिकी विभाग** तथा संगीत एवं ललितकला संकाय के अन्तर्गत ललित कला एवं **संगीत विभाग, विशेष शिक्षा संकाय के अंतर्गत बी०ए०एस०एल०पी०, बी०पी०ओ० एवं फाउण्डेशन कोर्स** प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है। सामान्य परिषद एवं कार्य परिषद के द्वारा संगत प्रस्तावों पर अनुमोदन प्रदान किया गया है।

कृपया उपरोक्तानुसार विद्या परिषद के समक्ष सूचनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–उपर्युक्त प्रस्ताव के अवलोकनोपरान्त अनुमोदन प्रदान किया गया।

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

बिन्दु संख्या: 1.7

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक–सत्र्वार संचालित पाठ्यकमों के सम्बन्ध में।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना सामान्य विद्यार्थियों के साथ–साथ विकलांग विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक व उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से की गयी है, जिसमें विकलांग विद्यार्थियों को प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम 50 प्रतिशत स्थान विभिन्न श्रेणी के विकंलाग विद्यार्थियों के लिए आरक्षित किया गया है, उनमें से भी 50 प्रतिशत अर्थात् कुल सीटों का 25 प्रतिशत स्थान केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए आरक्षित है। विश्वविद्यालय में निम्नलिखत पाठ्यक्रम संचालित है जिनकी शैक्षणिक सत्रवार सूचना का विवरण निम्नवत् है।

सत्र	पाठ्यकम का नाम
2009–10	डी0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0), बी0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0)
2010–11	डी0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0), बी0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0) एवं एम0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0)
2011–12	बी0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0), एम0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0), बी0ए0, एम0ए0, एम0एस0डब्लू0 एवं एम0बी0ए0
2012–13	बी0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0), बी0ए0, एम0ए0, एम0एस0डब्लू0 एवं एम0बी0ए
2013–14	बी0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0), बी0ए0, एम0ए0, एम0एस0डब्लू0, एम0बी0ए0 बी0कॉम0 एवं एम0कॉम0
2014–15	डी0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0), बी0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0) एवं एम0एड0(एच0आई0, एम0आर0, वी0आई0), बी0ए0, एम0ए0, एम0एस0डब्लू0, एम0बी0ए0, बी0कॉम0, एम0कॉम0, बी0कॉम0 एल0एल0बी0(आनर्स) एवं पी0एच0डी0

वर्तमान सत्र 2014–15 में संचालित पाठ्यक्रमों में अब तक प्रवेशित विद्यार्थियों की वस्तुस्थिति निम्नवत् है –

संकाय का नाम	विभाग का नाम	पाठ्यकम का नाम	प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या
विशेष शिक्षा संकाय	बी0एड0	एच0आई0	30
		एम0आर0	30
		वी0आई0	30
	डी0एड0	एच0आई0	30
		एम0आर0	30
		वी0आई0	30
	एम0एड0	एच0आई0	15
		एम0आर0	15
		वी0आई0	15
कला संकाय	बी0ए0	–	301
	एम0ए0	–	257
	एम0एस0डब्लू0	–	38
वाणिज्य संकाय	बी0कॉम0,	–	133
	एम0कॉम0	–	24
	एम0बी0ए0	–	72
विधि संकाय	बी0कॉम0एल0एल0बी0 (आनर्स)	–	66
पी0एच0डी0	–	–	70

कृपया विद्या परिषद उपरोक्त वस्तुस्थिति से संज्ञानित होना चाहें।

निर्णयः–प्रस्ताव के अवलोकनोपरान्त अनुमोदन प्रदान किया गया।

नि०/२०१५

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

98

बिन्दु संख्याः 1.8

विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकवृन्द का विषयवार मूल्यांकन व्यवस्था के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय में प्रत्येक सेमेस्टर में शिक्षक द्वारा पढ़ाये गये विषयों का मूल्यांकन विद्यार्थियों द्वारा संकाय मूल्यांकन प्रारूप पर किया जाता है जिस हेतु शिक्षक मूल्यांकन प्रारूप प्रत्येक छात्रों द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर में विषयवार भरवाया जाता है। प्रारूप (परिशिष्ट–01) पर 05 बिन्दुओं पर मानक के अनुसार 1–5 तक के अंक प्रदान करते हुये सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए 05 अंक एवं निम्नतम् के लिए 01 अंक निर्धारित हैं। मूल्यांकन विभिन्न पक्षों एवं सम्पूर्ण कुशलता को ध्यान में रखते हुये किया जाता है, जिसमें शिक्षक की विशेषताओ, कमजोरियों एवं सुझावों के साथ शिक्षक के सम्बन्ध में विद्यार्थियों के सुझाव प्रारूप पर मॉगे जायेंगे।

यू0जी0सी0 एवं नैक के दिशा–निर्देशों के अनुरूप शिक्षकों का स्वमूल्यांकन प्रारम्भ किया जाना भी अनुमोदनार्थ प्रस्तावित है।

कृपया उपरोक्तानुसार विद्या परिषद के विचारार्थ/निर्णयार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–विद्या परिषद द्वारा उपर्युक्तानुसार प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

बिन्दु संख्याः 1.9

विश्वविद्यालय में पी0एच0डी0 प्रोग्राम संचालन के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद की बिन्दु सं0–12.4 के निर्णय "शोध कार्य हेतु यू0जी0सी0 नियमन, 2009 को अंगीकृत करने हेतु उच्च शिक्षा विभाग से जारी विस्तृत दिशा–निर्देश के अनुसार एवं विश्वविद्यालय की विशिष्टियों को सम्मिलित करते हुए शोध कार्य का प्रस्ताव तैयार कर विद्या परिषद तथा कार्य परिषद की बैठक में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया।"

उक्त के क्रम में दिनांक–07.03.2014 को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में हुई बैठक एवं 'शोध उपाधि समिति' के सदस्यों द्वारा शोध कार्य को प्रारम्भ करने हेतु समय–समय में हुई बैठक में विस्तृत रूप से चर्चा/समीक्षा की गई, तदोपरान्त ही समिति के सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पी–एच0डी0) अध्यादेश–2014, विभागवार सीटों की संख्या, पी–एच0डी0 प्रवेश हेतु आवेदन पत्र के प्रारूप, एडमिट कार्ड, सामान्य निर्देश तैयार कर प्रस्तुत किया गया।

डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पी–एच0डी0) अध्यादेश–2014, विभागवार निर्धारित सीटों की संख्या, पी0एच0डी0 प्रवेश हेतु आवेदन पत्र व एडमिट कार्ड के प्रारूप एवं सामान्य निर्देश के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2014–15 से विश्वविद्यालय में पी0एच0डी0 प्रोग्राम प्रारम्भ करने हेतु कार्य परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया जा चुका है। तत्क्रम में संगत कोर्सवर्क तैयार कर संबंधित विभागों द्वारा लागू कर दिया गया है।

कृपया उपरोक्तानुसार विद्या परिषद के समक्ष सूचनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–विश्वविद्यालय में पी0एच0डी0 के अन्तर्गत रिसर्च मैथिडोलॉजी एवं कम्प्यूटर पाठ्यकम का अध्यापन उभयनिष्ठ होगा। विद्या परिषद द्वारा उपरोक्त प्रस्ताव का अवलोकन करते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।

निशीथ राय

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ0 शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

95

बिन्दु संख्याः 1.10

सेण्टर फॉर इण्डियन साइन लैग्वेंज एण्ड डैफ स्टडीज' की स्थापना के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की तेरहवीं बैठक दिनाँक 04.06.2014 के पत्रांक–659/फा0सं0–36 (तृतीय)/यू.पी.वी.डी.एस.एम.यू./कार्यपरिषद/2014–15 दिनाँक 13 जून, 2014 द्वारा निर्गत कार्यवृत्त अनुपालन में अवगत कराना है कि कुलपति महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 04.06.2014 को सम्पन्न बैठक में **'सेंटर फॉर इण्डियन साइन लैंग्वेज एण्ड डैफ स्टडीज'** की स्थापना के सम्बन्ध में **'यूनिवर्सिटी ऑफ सैन्ट्रल लंकाशायर (यू0के0)** एवं विश्वविद्यालय के मध्य संयुक्त सहयोग से **एम0ओ0यू0** हस्ताक्षर करके विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने का प्रस्ताव पॉच वर्ष के पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में प्रस्तावित है। बधिर लोगों से जुड़ी समस्याओं पर अध्ययन एवं अनुसंधान तथा उनके लिए सांकेतिक भाषा के अध्ययन से पठन–पाठन, सांकेतिक भाषा निर्वचक (इण्टरप्रेटर) जैसे पाठ्यक्रम संचालन के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए **'इण्टरनेशनल इन्स्टीटयूट फॉर साइन लैग्वेंज एण्ड डैफ स्टडीज'** यूनिवर्सिटी ऑफ सैन्ट्रल लंकाशायर (यू0के0) के साथ मूक बधिर विद्यार्थियों के लिए सत्र 2014–15 में 02 वर्षीय प्री–डिग्री सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम एवं सत्र 2015–16 से 3 वर्षीय सांकेतिक भाषा निर्वचक (इण्टरप्रेटर) का पाठ्यक्रम तथा शिक्षक एवं विद्यार्थियों के लिए सांकेतिक भाषा में प्रशिक्षण हेतु पायलेट ट्रैनिंग संचालन का भी प्रस्ताव है।

उक्त केन्द्र के संचालन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न श्रेणियों में कुल 09 पदों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विज्ञापन भी 02 जून, 2014 को अपलोड किया जा चुका है जिसके सापेक्ष विश्वविद्यालय द्वारा पात्र अभ्यर्थियों का साक्षात्कार प्रकिया भी सम्पन्न की जा चुकी है। सम्बन्धित विभागों के लिए अनुबन्ध के आधार पर नियुक्तियॉ की जा चुकी हैं।

'सेंटर फॉर इण्डियन साइन लैंग्वेंज एण्ड डैफ स्टडीज' भारत में अपने तरह का प्रथम संस्थान होगा। सामान्य परिषद एवं कार्य परिषद के द्वारा उक्त का अनुमोदन किया जा चुका है।

कृपया उपरोक्त प्रस्ताव विद्या परिषद के समक्ष सूचनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–उपर्युक्तानुसार प्रस्ताव से अवगत होते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।

निशीथ राय
(डॉ. निशीथ राय)

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

(94)

बिन्दु संख्याः 1.11

सेण्टर फॉर रिहैबिलिटेशन एण्ड डेवलपमेन्ट स्टडीज' की स्थापना के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण उददेश्य विकलांगजनों को विकास व प्राकृतिक आपदाओं से विस्थापित लोगों को पुनर्वासित करना है। वस्तुतः राज्य के विभिन्न अंचलों में लगभग 03 प्रतिशत जनसंख्या किसी न किसी रूप में भौतिक विकलांगता से ग्रसित हैं। इसके साथ–साथ राज्य सरकार के विभिन्न विभाग यथा सिचांई, परिवहन, उत्तर प्रदेश राज्य हाइवे प्राधिकरण, औद्योगिक विकास विभाग, आवास नगर विकास, सूडा, सेतु निगम, राजकीय निर्माण निगम विभिन्न विकास प्राधिकरणो, आवास–विकास परिषद इत्यादि द्वारा लागू किये जा रहे विभिन्न बुनियादी निर्माण कार्यक्रमों के परिणाम स्वरूप लोगों का बड़े पैमाने पर विस्थापन होता है। विकलांगजनों तथा विकास परियोजनाओं से उत्पन्न विस्थापन एवं पुनर्वास की आवश्यकताओं के आकलन हेतु व्यापक सर्वेक्षण एवं एकीकृत अध्ययन की आवश्यकता है। इस केन्द्र के तत्वावधान में सम्पादित अनुसंधान एवं अध्ययन से पुर्नवास प्रबंधन के प्रयासों को सुदृढ़ करने में सहायता प्राप्त होगी। वस्तुतः विकास के विभिन्न आयाम अन्योन्यासित हैं।

मुख्य रूप में ये आयाम आय एवं रोजगार वृद्धि, गरीबी उन्मूलन, क्षेत्रीय असुन्तलन, प्रौद्योगिक परिवर्तन, जनसंख्या एवं मानव विकास, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्टीय श्रम प्रवर्जन सामाजिक एवं आर्थिक अवस्थापना, कृषि एवं औद्योगिकीकरण, बैकिंग बीमा एवं बीमा एवं वित्तीय विकास, राजकोषीय एवं भौतिक नीति, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण एवं जल प्रबन्धन, पारिस्थितिकीय संतुलन, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं पूँजी प्रवाह इत्यादि से जुड़ें हुऐ हैं। इन आयामों पर सम्यक् अध्ययन नियोजन एवं विकास सम्बन्धी नीतियों हेतु नितान्त उपयोगी होगें। अस्तु केन्द्र के तत्वावधान में इनसे सम्बन्धित अध्ययन/अनुसंधान सम्पादित किये जायेंगे।

भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विभिन्न मंत्रालयों द्वारा संचालित कार्यक्रमों एवं योजनाओं के अनुसार यह उनकी आवश्यकता के अनुरूप नीति निर्धारण हेतु विश्लेषण एवं शोध कार्य सम्पादन/अध्ययन से यह केन्द्र सरकार के लिए एक **'थिंक टैंक'** के रूप में कार्य करेगा। केन्द्र की गतिविधियों के संचालन हेतु 01 प्रोफेसर/निदेशक, 02 एसोसिएट प्रोफेसर एवं 04 सहायक प्रोफेसर तथा 02 रिसर्च एसोसिएट व 04 इन्वेस्टीगेटर की आवश्यकता होगी। साथ–ही साथ अपेक्षित प्रशासनिक स्टॉफ की भी आवश्यकता होगी। उक्त प्रस्ताव पर सामान्य परिषद एवं कार्य परिषद के द्वारा अनुमोदन प्रदान किया जा चुका है।

उक्त के साथ–साथ पुनर्वास एवं विकलांगता से सम्बन्धित पाठ्यकम तथा विस्तारित कार्य एवं अनुसंधान को कार्यरूप देने के लिये विभाग का प्रारम्भ किया जा रहा है। इस हेतु 01 आचार्य/निदेशक, अथवा 01 उपाचार्य/उप निदेशक की तत्काल नियुक्ति की अपरिहार्यता है। विद्या परिषद, मा0 कुलपति जी को अधिकृत करना चाहें कि आवश्यकतानुसार उक्त हेतु नियुक्ति प्रकिया को संपादित करें।

कृपया उपरोक्तानुसार प्रस्ताव विद्या परिषद के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–विश्वविद्यालय में सेण्टर फॉर रिहैबिलिटेशन एण्ड डेवलपमेन्ट स्टडीज की स्थापना हेतु विकलांगता के क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाय जो सेण्टर फॉर रिहैबिलिटेशन एण्ड डेवलपमेन्ट स्टडीज हेतु सुविचारित प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी, जिसे विचारार्थ आगामी कार्यपरिषद की बैठक में प्रस्तुत किया जाय।

निर्णय पास

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

(93)

बिन्दु संख्याः 1.12

विश्वविद्यालय में Centre for Journalism & Mass Communication की स्थापना के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय में Centre For Journalism & Mass Communication (जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग) की स्थापना के सम्बन्ध में डॉ० आनन्द प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के साथ हुए विचार–विमर्श के कम में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा **''सेंटर फॉर जर्नलिज्म एवं मॉस कम्युनिकेशन''** की स्थापना के सम्बन्ध में कार्यपरिषद एवं सामान्य परिषद की प्रथम बैठक में अनुमोदन प्रदान किया गया है तथा प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति हेतु प्रस्ताव को शासन को प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जनसंचार एवं पत्रकारिता पाठ्यक्रम में एम०ए० कक्षायें प्रारम्भ करने के लिये उससे सम्बन्धित कोर्स मैटीरियल, सिलेबस एवं अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर हेतु वांछित आवश्यकतायें यथा टी०वी० स्टूडियो, रेडियो स्टूडियो आदि का भी विवरण तैयार कराये जाने हेतु कुलपति की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है जिसमें डॉ० आनन्द प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर, भारतीय जनसंचार संस्थान को विशेषज्ञ सदस्य एवं प्रो० (डॉ०) डी०एन० सिंह, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, को सदस्य समन्वयक नामित किया गया है। उक्त के साथ–साथ इस संदर्भ में पत्रकारिता और जनसंचार में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को तैयार करने के लिए प्रो० जयश्री जेठवाणी, पाठ्यक्रम निदेशक, विज्ञापन और जनसम्पर्क, भारतीय जनसंचार संस्थान, प्रो० एस० राघवाचारी, पाठ्यक्रम निदेशक, प्रसारण पत्रकारिता, भारतीय जनसंचार संस्थान, प्रो० अमित सेनगुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर (अंग्रेजी पत्रकारिता), भारतीय जनसंचार संस्थान नई दिल्ली, डॉ० राजेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, पत्रकारिता और जनसंचार, दून विश्वविद्यालय तथा डॉ० गोपाल सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ से परामर्श एवं यथावश्यक सुझाव प्राप्त करते हुए, डॉ० आनन्द प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली को तत्संबंधित प्रस्ताव तैयार करने का दायित्व सौंपा गया है ताकि उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यक्रम एवं तत्संबंधी औपचारिकतायें पूर्ण हों सके।

उपर्युक्तानुसार विभाग/केन्द्र को तत्काल प्रारम्भ किये जाने की आवश्यकता है। विद्या परिषद, पद का समायोजन करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया सम्पन्न करने के लिये मा० कुलपति जी को अधिकृत करना चाहें।

कृपया उपरोक्तानुसार विद्या परिषद के समक्ष विचारार्थ/निर्णयार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः—विद्या परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

निर्णय।।

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

बिन्दु संख्या: 1.13

विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय महत्व का विश्वविद्यालय घोषित किए जाने के सम्बन्ध में।

डा0 शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ की स्थापना वर्ष 2008 में जनमानस के व्यापक विकास विशेषकर विभिन्न श्रेणी के विकलांगजन को उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु की गयी थी। विश्वविद्यालय को विकलांगजन के लिए विशिष्ट बनाए जाने हेतु समस्त पाठ्यक्रमों की कुल सीटों का 50 प्रतिशत विकलांगजन हेतु आरक्षित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि विकलांगता के क्षेत्र में यह विश्वविद्यालय पूरे भारत ही नहीं बल्कि एशिया में अपने तरीके का एकमात्र विश्वविद्यालय है जो विकलांगता के विभिन्न विषयों पर उच्च शिक्षा शोध एवं अन्य कार्यक्रमों को सम्पादित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय का व्यापक लाभ सम्पूर्ण भारत के विभिन्न श्रेणी के विकलांग छात्र/छात्राओं को मिले इसके लिए आवश्यक है कि अन्य प्रदेशों के साथ–साथ **Non-Resident Indian** एवं अन्य देशों के विकलांग छात्र/छात्राओं के लिए प्रवेश में 50 प्रतिशत का लाभ प्रदान किया जाए। विश्वविद्यालय की महत्ता एवं गरिमा को बनाए रखने के लिए यह भी उचित है कि **SAARC** देशों के सदस्य देशों में निवासरत् विभिन्न श्रेणी के विकलांग बच्चों को उच्च शिक्षा के अवसर प्राप्त नहीं होते हैं, उन्हें भी इस विश्वविद्यालय में प्रवेश देकर शिक्षित बनाए जाने का व्यापक हित निहित है, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालय को प्रदेश स्तर का प्रस्तुत करने के स्थान पर राष्ट्रीय स्तर का स्वरूप देते हुए विश्वविद्यालय के नाम में राष्ट्रीय शब्द आदि प्रयोग किया जाता है तो इसकी व्यापकता एवं लाभ जनमानस को व्यापक रूप से मिल सकेगी।

ज्ञातव्य है कि प्रदेश सरकार नें विधि का एकमात्र विश्वविद्यालय डा0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ में स्थापित किया है जिसमें भी राष्ट्रीय शब्द का प्रयोग इसी कारण किया गया है कि इसका स्वरूप प्रदेश स्तर का न होकर बल्कि राष्ट्रीय स्तर का परिलक्षित होता है और इसमें अन्य प्रदेशों के भी छात्र/छात्राएं प्रवेश लेते हैं।

उपर्युक्त उद्देश्यों के निमित्त यह आवश्यक है कि डा0 शकुन्तला मिश्रा विश्वविद्यालय को विकलांगता के क्षेत्र का एकमात्र एवं राष्ट्रीय महत्व का विश्वविद्यालय घोषित किए जाने के फलस्वरूप इसमें राष्ट्रीय शब्द का प्रयोग किया जाना समीचीन होगा। उक्त तथ्यों एवं औचित्य से सहमत होते हुए सामान्य परिषद में प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

उत्तर प्रदेश असाधारण गजट में उत्तर प्रदेश शासन के विद्यायी अनुभाग–01 के अधिसूचना संख्या 1260/79–वि–1–14–2(क)17/2014, दिनांक 30 सितम्बर, 2014 (परिशिष्ट–01) द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया गया।

कृपया विद्या परिषद के समक्ष सूचनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–विद्या परिषद द्वारा डा0 शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय (भिन्नरूपेण योग्य हेतु) उत्तर प्रदेश (संशोधन) अध्यादेश, 2014 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या 11 सन् 2014), दिनांक 30.09.2014 द्वारा प्रख्यापित "डा0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ" का अवलोकन किया गया।

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

(90)

बिन्दु संख्याः 1.14

प्रथम दीक्षान्त समारोह–दिनांक 30 सितम्बर, 2014 के आयोजन के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय में प्रारम्भिक शैक्षिक सत्र् 2009–10 से विशेष शिक्षा, कला एवं वाणिज्य संकाय के अधीन विभिन्न प्रकार के डिप्लोमा/डिग्री/मास्टर डिग्री पाठ्यक्रमों का पठन–पाठन कुशलतापूर्वक संपादित किया गया है। समय–समय पर विश्वविद्यालय द्वारा दीक्षान्त समारोह का प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ परन्तु उसके आयोजन हेतु ससमय निर्णय नहीं लिया जा सका। इस प्रकार विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह का आयोजन नहीं हो सका था।

वर्तमान में विश्वविद्यालय में छठवॉ सत्र संचालित किये जाने हेतु कार्यवाही की जा रही थी अतः विश्वविद्यालय में निरन्तर उच्च शिक्षा की ओर गतिशीलता को दृष्टिगत् रखते हुये कार्य परिषद की तेरहवीं बैठक एवं सामान्य परिषद की बैठक में वांछित अनुमोदन प्रदान किया गया। तदानुसार 30 सितम्बर, 2014 को प्रथम दीक्षान्त समारोह का आयोजन सकुशल सम्पन्न हुआ, जिसमें सत्रवार/पाठ्यक्रमवार 633 डिग्री तथा 77 मेडल 43 पात्र/अर्ह विद्यार्थियों को वितरित किये गये।

कृपया विद्या परिषद के समक्ष सूचनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः– प्रस्ताव का अवलोकन करते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।

निशिनाथ

राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

89

बिन्दु संख्याः 1.15

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा–12(बी) के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अधिनियम 1956 की धारा 12 (बी) के अंतर्गत इस विश्वविद्यालय के समोवशन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित प्रस्ताव पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विशेषज्ञ निरीक्षण समिति का गठन कर दिया गया है जिसके द्वारा शीघ्र ही निरीक्षण किया जायेगा।

कृपया विद्या परिषद के समक्ष सूचनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–विद्या परिषद, उपरोक्तानुसार प्रस्ताव से अवगत हुई।

अनुमोदित

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

88

बिन्दु संख्या–1.16

वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बी0कॉम0 एवं एम0कॉम0 पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में।

कार्य परिषद की 12वीं बैठक के बिन्दु संख्या 12.24(4) में लिये गये निर्णय के क्रम में वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत संचालित बी0कॉम0 व एम0कॉम0 पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित सेमेस्टरवार पाठ्यक्रम अनुमोदन की प्रत्याशा में विद्यापरिषद के समक्ष प्रस्तुत है जो **परिशिष्ट–01 व 02** पर संलग्न है।

कृपया उपरोक्तानुसार पाठ्यक्रम पर विद्या परिषद अनुमोदन प्रदान करना चाहें।

निर्णयः–वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बी0कॉम0 एवं एम0कॉम0 पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया गया।

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

72

बिन्दु संख्या–1.17

विधि संकाय के अन्तर्गत बी0काम0एल0एल0बी0(आनर्स) इन्टीग्रेटेड पंचवर्षीय पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2014–15 से विधि संकाय के अन्तर्गत **बी0कॉम0एल0एल0बी0(आनर्स), पंचवर्षीय इन्टिग्रेटेड** पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। संबंधित पाठ्यक्रम **परिशिष्ट–1** पर संलग्न है।

कृपया उपरोक्तानुसार पाठ्यक्रम पर विद्या परिषद अनुमोदन प्रदान करना चाहें।

निर्णयः–विधि संकायाधीन विधि विभाग के अन्तर्गत संचालित किये जा रहे बी0काम0एल0एल0बी0(आनर्स) इन्टीग्रेटेड पंचवर्षीय पाठ्यक्रम को अनुमोदन प्रदान किया गया।

(डॉ निशीथ राय)

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

(66)

बिन्दु संख्या–1.18

विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों की विषय सामग्री के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय में प्रारम्भिक शैक्षणिक सत्र से संकाय के विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित किये जा रहे डिप्लोमा, स्नातक एवं परास्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों की संगत विषय सामग्री विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित है तदोनुरूप पठन–पाठन संचालित किया जा रहा है।

कृपया उपरोक्तानुसार विद्या परिषद संसूचित होना चाहें।

निर्णयः–उपरोक्तानुसार प्रस्ताव से अवगत होते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।

निशीथराय

(डॉ० निशीथ राय)

कुलपति

राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ

(अखिलेन्द्र कुमार)

कुलसचिव

डॉ० शकुन्तला मिश्रा

राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय

लखनऊ

65

बिन्दु संख्या–1.19

दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से पाठ्यक्रम के संचालन के संबंध में।

विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 4 (ख) के अंतर्गत विहित प्रावधान के क्रम में विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से विकलांगता एवं उससे संबंधित विषयों पर जानकारी एवं ज्ञान के संवर्धन व विस्तार को कार्यरूप दिये जाने का प्रस्ताव है।

कृपया विद्या परिषद के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–विश्वविद्यालय में दूरस्थ शिक्षा के अन्तर्गत 'दूरस्थ एवं सतत शिक्षा केन्द्र' की स्थापना किये जाने एवं उक्त हेतु एक समिति गठित किये जाने का निर्णय लिया गया है जो दूरस्थ शिक्षा के सम्बन्ध में अपने सुझाव को संस्तुति सहित प्रस्तुत करेगी जिसके आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाय।

(डॉ० निशीथ

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

64

बिन्दु संख्या–1.20

विश्वविद्यालय से सम्बद्धता किये जाने के सम्बन्ध में।

विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 की **धारा 5(दो)** मे विहित प्रावधान के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा नैत्यिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा अनुमोदित विशेष शिक्षा प्रदान करने वाले महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थाओं को सम्बद्धता प्रदान करने का प्रस्ताव है।

कृपया विद्या परिषद के विचारार्थ/निर्णयार्थ प्रस्तुत है।

निर्णयः–विश्वविद्यालय से सम्बद्धता किये जाने के सम्बन्ध में प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ

बिन्दु संख्या–1.21

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य बिन्दु

अध्यक्ष महोदय की अनुमति से उठाये गये अन्य बिन्दुओं पर विचारोपरान्त विद्या परिषद द्वारा निम्नलिखित निर्णय लिये गये हैं–

1. विद्या परिषद द्वारा विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों पर विज्ञापित होने वाले प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर/असिस्टेण्ट प्रोफेसर के पदों हेतु गठित होने वाली चयन समितियों में विशेषज्ञ सदस्यों को नामित किये जाने हेतु कुलपति महोदय को अधिकृत किया गया।

2. विश्वविद्यालय में इण्टरनल क्वालिटी एश्योरेन्स सेल (IQAC) का गठन किया जाय।

3. विश्वविद्यालय में सृजित 29 विभागों के अन्तर्गत सृजित पदों के सापेक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नियमन के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर पद डायवर्जन किये जाने हेतु कुलपति महोदय को अधिकृत किया गया।

4. विश्वविद्यालय में सृजित 29 विभागों के अन्तर्गत दर्शनशास्त्र विभाग की वर्तमान में अनुपयोगिता के दृष्टिगत् दर्शनशास्त्र विभाग के स्थान पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग प्रारम्भ किया जाय किन्तु उक्त विभाग को क्रियाशील रखने हेतु सहायक आचार्य का एक पद बनाये रखा जाय।

(डॉ॰ निशीथ [illegible])
[illegible] लखनऊ

(अखिलेन्द्र कुमार)
कुलसचिव
डॉ० शकुन्तला मिश्रा
राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय
लखनऊ